


---

# Devavani Se Desha Ka Kalyana

——  
देववाणी से देश का कल्याण

——  
Document Information



---

Text title : Devavani Se Desha Ka Kalyana

File name : devavANIsedeshakAkalyANA.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 19, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Devavani Se Desha Ka Kalyana

---

### देववाणी से देश का कल्याण

---



देववाणी के उद्देश्य से देश का कल्याण होगा,  
राष्ट्र का हित से हमारे दिव्य नवनिर्माण होगा । ०  
हित हमारे देश में जब साम का मधुगान होगा,  
और गीता का मधुर उपदेश अमृत-पान होगा,  
नित्य प्रातः प्रणव का जप-योग सन्ध्याध्यान होगा,  
धर्म-नीति-सुभाषितों का प्रचुर पाठ विधान होगा,  
देश का तब दृर्विचारों से सुनिश्चित त्राण होगा,  
राष्ट्र का हित से हमारे दिव्य नवनिर्माण होगा । १  
प्रानिवच्यं मर्षियों की प्रेरणावाणी पढ़ेंगे-  
जब हमारे युवक, निश्चित सौ कदम आगे बढ़ेंगे ।  
जब यहाँ वेदान्त के अद्वैत का उद्घोष होगा,  
देश सब सङ्गीर्णताओं से रक्षित निर्दोष होगा ।  
देश-उन्नति के लिये यह तत्त्व ही बस प्राण होगा,  
राष्ट्र का हित से हमारे दिव्य नवनिर्माण होगा । २  
- रचयिता - श्री. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

Proofread by Mandar Mali

---

*Devavani Se Desha Ka Kalyana*

pdf was typeset on May 19, 2024

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

